एक वास्तविक स्थान जो स्वर्ग कहलाता है

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए

ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करण: 2023

संपर्क जानकारी

All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: **bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

अन्यथा जबतक इंगित न किया हो धर्म शास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल के पुनःसंपादित पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित है।

आर्थिक साझेदारी

इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता की वजह से सम्भव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता के लिए आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाएं या अपना योगदान कैसे करें यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ देखें। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन

उपदेश: apcwo.org/sermons | **पुस्तकें:** apcwo.org/books | **चर्च ऐप:** apcwo.org/app
बाइबिल कॉलेज: apcbiblecollege.org | **ई-लर्निंग:** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्श: chrysalislife.org | **संगीत:** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: pamfi.org | **ए.पी.सी. वर्ल्ड मिशंस:** apcworldmissions.org

(Hindi book - A Real Place Called Heaven)

एक वास्तविक स्थान जो स्वर्ग कहलाता है

विषयसूची

1.	इस जीवन के बाद जीवन	2
2.	पृथ्वी से जाना, स्वर्ग में कदम रखना	3
3.	चले जाना कहीं बेहतर है	4
4.	स्वर्ग एक अद्‌भुत स्थान है	5
5.	इन वचनों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो	5
6.	प्रश्न जिनके उत्तर नहीं हैं	6
7.	अब जबकि हम पृथ्वी पर ही हैं	7

एक वास्तविक स्थान जो स्वर्ग कहलाता है

मेरी माताजी दिसम्बर 25, सन् 2000 को प्रभु में सो गईं। मेरे पिताजी, बहन और मैं अन्य कुछ लोग उनके पास खड़े थे जब उनका पृथ्वी पर अन्तिम समय था। यह लगभग शाम का 4:30 बजे का समय था। प्रत्येक साँस लेने में उन्हें बहुत परिश्रम करना पड़ रहा था। तब धीरे-धीरे उनकी साँस ऐसे धीमी पड़ती जा रही थी जैसे मोमबत्ती बुझती जाती है। उनके फेफड़ों को कैंसर ने खा लिया था और डाक्टर अब कुछ नहीं कर सकते थे। उन अन्तिम क्षणों में, उनका हाथ अपने हाथों में लेकर, मैंने आत्मा में प्रार्थना की। हमारे प्रभु यीशु के वचन–*"पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ"*–तुरन्त मेरे दिमाग में आए। मुझे मालूम था कि वह पूरा पद क्या कहता है, परन्तु मैं उस पर ध्यान देना नहीं चाहता था। मैं इस सत्य को स्वीकार करना नहीं चाहता था कि मेरी माताजी मर रही हैं। मैंने प्रार्थना की, "यीशु आपने कहा है कि आप पुनरुत्थान और जीवन हैं।" मैंने इसे कई बार दोहराया। मैं यह आशा कर रहा था कि एक चमत्कार के द्वारा मेरी माताजी जीवित हो जाएंगी। परन्तु कुछ ही क्षणों में वह चली गईं। हमारे गालों पर आँसू बहते हुए अपने रुँधे हुई आवाजों से हमने यह कोरस गाने की कोशिश की, "वह प्रभु है, वह प्रभु है, मुर्दों में से जी उठा, वह प्रभु है।"

उस घटना के बाद मैंने मृत्यु और उसके बाद के जीवन की व्याख्या करने वाले बहुत से वचनों को पढ़ा। मैंने उस बात पर विश्वास करने का चुनाव किया जिसे बाइबल मृत्यु और स्वर्ग के बारे में सिखाती है। इन वचनों से मुझे बहुत सामर्थ, आराम, शान्ति, उत्साह और आशा मिली। इनमें से कुछ को मैं इस पुस्तिका में आपके साथ बाँट रहा हूँ। हममें से प्रत्येक कभी न कभी मृत्यु का सामना करता है अथवा अपने प्रियजन की मृत्यु को देखता है। मेरी प्रार्थना यह है कि परमेश्वर का वचन जो हमारे लिए शान्ति लाया है, वह आपकी आवश्यकता के समय आपके लिए भी ऐसा ही करे।

प्रत्येक मानव प्राणी एक दिन मरेगा। वचन हमें सिखाता है, *"और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है"* (इब्रानियों 9:27)। इससे पुनर्जन्म होने की बात समाप्त हो जाती है—ऐसा विचार कि मनुष्य एक के बाद दूसरा जन्म लेता है ताकि पुराने जीवन के पापों का सुधार कर सके। प्रत्येक व्यक्ति इसमें से केवल एक बार ही गुज़रता है, मृत्यु का सामना करता है-केवल उनको छोड़ कर जो *"हवा में उठाए जाएंगे"* (1 थिस्सलुनीकियों 4:17) और तब अनन्तकाल में पहुँचते हैं।

हम अनन्तकाल के प्राणी हैं। हमारा वर्तमान भौतिक शरीर हमारे अनन्तकालीन भाग हेतु मात्र अस्थाई निवास हैं–हमारी आत्मा और प्राण हेतु। मृत्यु केवल अलगाव है–अनन्तकालीन–हमारी आत्मा और प्राण अस्थाई निवास को मृत्यु के समय छोड़ देते हैं जो हमारे शरीर हैं (याकूब 2:26)। मनुष्य की आत्मा और प्राण लगातार अस्तित्व में रहते हैं या तो स्वर्ग में अथवा नर्क में।

इस जीवन के बाद जीवन

यूहन्ना 11:25,26

[25] यीशु ने उससे कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तो भी जीएगा,

[26] और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?"

हम लोग जो बाइबल में विश्वास करते हैं, हमें निश्चय दिलाया गया है कि मृत्यु अन्त नहीं है। वे जो यीशु में विश्वास करते हुए मरते हैं, वे जीवित रहेंगे। जब एक मसीही विश्वासी मरता है तब उस विश्वासी की आत्मा स्वर्ग में यीशु के साथ रहती है। उस व्यक्ति का शरीर जीवनरहित प्रतीत होता है परन्तु वह व्यक्ति अभी भी जीवित है। वह व्यक्ति एक भिन्न संसार में रह रहा है-एक ऐसे संसार में जिसे सामान्यतः हम देख नहीं सकते। एक दिन, *"वैसे ही परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं, ... और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे"* (1 थिस्सलुनीकियों 4:14,16)।

इसीलिए बाइबल मृत्यु को *"सोना"* कहती है (1 थिस्सलुनीकियों 4:13-15)। हमारे सामान्य दृष्टिकोण से, क्योंकि मृतक शरीर सक्रिय नहीं है, जैसे एक व्यक्ति सोता है, इसी प्रकार मृत्यु भी सोना समझा जाती है। शीघ्र ही, दिन निकलेगा और प्रभु यीशु जो *"धार्मिकता का पुत्र"* (मलाकी 4:2) और *"संसार की ज्योति"* है, आएगा और वे जो सो गए हैं। वे नए शरीर के साथ अपनी *"नींद"* से उठेंगे।

चूँकि हमें निश्चय है कि इस जीवन के बाद एक और जीवन है-वर्तमान और पुनरुत्थान में–*"हम अन्य लोगों की तरह दुखी नहीं होते जिन्हें आशा नहीं।"* (1 थिस्सलुनीकियों 4:13) हम बिना किसी सन्देह के परे यह जानते हैं कि हमारे प्रिय जन जो मसीह में मर गए हैं, वे इस क्षण जीवित और स्वस्थ हैं। उनके भौतिक शरीर निश्चय ही जी उठेंगे और हम उन्हें देखेंगे। यह मृत्यु यह अलगाव–मात्र अस्थाई है।

पृथ्वी से जाना, स्वर्ग में कदम रखना

2 कुरिन्थियों 5:1-8

[1] "क्योंकि हम जानते हैं कि जब हमारा पृथ्वी पर का डेरा सरीखा घर गिराया जाएगा, तो हमें परमेश्वर की ओर से स्वर्ग पर एक ऐसा भवन मिलेगा जो हाथों से बना हुआ घर नहीं, परन्तु चिरस्थाई है।

[2] इसमें तो हम कराहते और बड़ी लालसा रखते हैं कि अपने स्वर्गीय घर को पहन लें

[3] कि इसके पहनने से हम नंगे न पाए जाएँ।

[4] और हम इस डेरे में रहते हुए बोझ से दबे कराहते रहते हैं, क्योंकि हम उतारना नहीं वरन् और पहनना चाहते हैं, ताकि वह जो मरनहार है जीवन में डूब जाए।

[5] जिसने हमें इसी बात के लिये तैयार किया है वह परमेश्वर है, जिसने हमें बयाने में आत्मा भी दिया है।

[6] अतः हम सदा ढाढ़स बाँधे रहते हैं, और यह जानते हैं कि जब तक हम देह में रहते हैं, तब तक प्रभु से अलग हैं-

[7] क्योंकि हम रूप को देखकर नहीं, पर विश्वास से चलते हैं-

[8] इसलिये हम ढाढ़स बाँधे रहते हैं, और देह से अलग होकर प्रभु के साथ रहना और भी उत्तम समझते हैं"।

जब एक व्यक्ति मसीह में मरता है, उसकी आत्मा और प्राण पृथ्वी को छोड़कर स्वर्ग में प्रवेश करते हैं। उन्होंने अपना निवास बदल लिया है।

उन्होंने पृथ्वी के घर को स्वर्गीय घर से बदल लिया है। वे पृथ्वी को खाली करके स्वर्ग में चले गए हैं। इस पृथ्वी के घर में उन्होंने हर प्रकार की कठिनाईयाँ, जीवन के तनाव, चुनौतियों, सताव, बीमारियों से संघर्ष आदि सहन किया। परन्तु जिस क्षण वे मरे, उन्होंने इन सब मुसीबतों को पीछे छोड़ दिया और स्वर्ग में कदम रख लिया। वे इस संसार, हमारे बीच से और अपने भौतिक शरीर छोड़कर अनन्तकाल के घर में उपस्थित हैं–एक ऐसे घर में जो हाथों से बनाया हुआ नहीं है।

चले जाना कहीं बेहतर है

पिफलिप्पियों 1: 20-24

[20] मैं तो यही हार्दिक लालसा और आशा रखता हूँ कि मैं किसी बात में लज्जित न होऊँ, पर जैसे मेरे प्रबल साहस के कारण मसीह की बड़ाई मेरी देह के द्वारा सदा होती रही है, वैसी ही अब भी हो, चाहे मैं जीवित रहूँ या मर जाऊँ।
[21] क्योंकि मेरे लिये जीवित रहना मसीह है, और मर जाना लाभ है।
[22] पर यदि शरीर में जीवित रहना ही मेरे काम के लिये लाभदायक है तो मैं नहीं जानता कि किसको चुनूँ।
[23] क्योंकि मैं दोनों के बीच अधर में लटका हूँ" जी तो चाहता है कि कूच करके मसीह के पास जा रहूँ, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है,
[24] परन्तु शरीर में रहना तुम्हारे कारण और भी अच्छा है"।

ऊपर लिखे गए विचार से, हम विश्वासियों के लिए *"मरना लाभ"* है। चले जाना और प्रभु के साथ रहना *"अधिक भला"* है। मृत्यु पराजय नहीं है। मृत्यु दुखी होने का समय नहीं है। मृत्यु एक स्थान में प्रवेश करना है जो बहुत अच्छा, इस पृथ्वी पर बिताए गए सबसे अच्छे क्षणों से कहीं अधिक महिमावान है। हमारे प्रिय जन जो मसीह में मर गए हैं वे उन अनुभवों का आनन्द उठा रहे हैं जिन्हें हमने कभी अनुभव नहीं किया है। जी हाँ, उनकी अनुपस्थिति उनके चले जाने के बाद महसूस होती है। हमारा हृदय उनका साथ, संगति और वह समय जो हमने साथ बिताया, याद करता है। परन्तु वह "दर्द," वह अपनापन कुछ ऐसा है जिसे हम अनुभव करते हैं। दूसरी ओर, हमारे प्रिय जन महान् बड़ा आनन्द का अनुभव कर रहे हैं। वे मसीह की उपस्थिति में हैं। उनका चला जाना इस दृष्टिकोण से देखने पर हमें अपना व्यक्तिगत दुख एक ओर रखकर उनके आनन्द–उनके लाभ में आनन्दित होना चाहिए!!

स्वर्ग एक अद्‌भुत स्थान है

यूहन्ना 14:1,2

[1] तुम्हारा मन व्याकुल न हो; परमेश्वर पर विश्वास रखो और मुझ पर भी विश्वास रखो। [2] मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते तो मैं तुम से कह देता; क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ।

यूहन्ना 17:24

हे पिता, मैं चाहता हूँ कि जिन्हें तूने मुझे दिया है, जहाँ मैं हूँ वहाँ वे भी मेरे साथ हों, कि वे मेरी उस महिमा को देखें जो तूने मुझे दी है, क्योंकि तूने जगत की उत्पत्ति से पहले मुझ से प्रेम रखा।

हममें से बहुत से लोगों ने जो यीशु में विश्वास करते हैं कभी मसीह को नहीं देखा होगा और न ही उसकी आवाज़ सुनी होगी। हमने केवल उसकी उपस्थिति को महसूस किया होगा, उसके आत्मा की अगुवाई को महसूस किया होगा, परमेश्वर के अच्छे वचन और *आनेवाले युग की सामर्थ का स्वाद चखा होगा* (इब्रानियों 6:5)। फिर भी जिस क्षण हम मरते है उसी क्षण हम वहाँ पहुँच जाते हैं जहाँ वह है और उसकी महिमा देखते हैं। वे उस जगह प्रवेश करते हैं जिसे प्रभु यीशु ने उनके लिये तैयार की हैं। वे *श्वेत वस्त्र पहने हुए* हैं (प्रकाशितवाक्य 3:5)। वे उन स्वर्गीय प्राणियों को देखते हैं जो सिंहासन पर बैठा है, उसकी आराधना करते और *महिमा देते और आदर देते और धन्यवाद देते हैं, जो युगानुयुग तक जीवित है* (प्रकाशितवाक्य 4:9)। वे कभी न समाप्त होनेवाली आराधना में भाग लेते हैं। वे उन लाखों लोगों से मिलते हैं जो हम से पहले वहाँ जा चुके हैं। और वहाँ कुछ और भी है जिन्हें हम जानते हैं और नहीं भी जानते हैं, उस महिमा के विषय में जो स्वर्ग में है। हमारे प्रिय जन जो हमें छोड़ कर मसीह के पास चले गए हैं अब वे स्वर्ग में हैं—एक अद्‌भुत स्थान में!

इन वचनों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो

1 थिस्सलुनीकियों 4:16-18

[16] क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी; और जो मसीह में मरे हैं,

वे पहले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे कि हवा में प्रभु से मिलें; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगें। इस प्रकार इन बातों के द्वारा एक दूसरे को शान्ति दिया करो"।

मृत्यु, स्वर्ग, पुनरुत्थान और इसके बाद के जीवन के विषय में सच्चाई को प्रकट करने का प्रभु यीशु मसीह का बुनियादी कारण यह भी है कि हम आशावान व्यक्ति बनें। इस आशा के साथ जो वचन पर आधारित है, हम एक दूसरे को शान्ति दे सकते हैं। ये वचन इसलिए दिए गए हैं कि हमें शान्ति-बल और सामर्थ मिले ताकि हम *परमेश्वर का काम* लगातार करते रहें (1 कुरिन्थियों 15:58)। तब भी हम वचन से शान्ति और अनुभव प्राप्त नहीं कर सकते यदि हम उन पर विश्वास करने और उन पर चलने का चुनाव नहीं करते हैं। हमें अपनी सोच, विश्वास और व्यवहार को उन बातों के सदृश्य करना होगा जो वचन हमें सिखाता है।

हममें से कुछ लोग दुख के समय वचन की शान्ति से अधिक मनुष्यों की सहानुभूति चाहते हैं। हमें मनुष्यों की सहानुभूति अधिक पसन्द आती है जिसे वे देने का प्रयास करते हैं। तौभी लोग सदैव सहानुभूति नहीं प्रदान करते रहेंगे। और जब यह रुक जाती है, तब हम सोचने लगते हैं कि हमें कोई प्यार नहीं करता, न ही उन मुसीबतों को समझता है जिनमें से होकर हम गुज़र रहे हैं। परन्तु सच्चाई यह है कि हम गलती कर रहे हैं। हमारी कमज़ोरी यह है कि हम वचन की शान्ति और सहानुभूति से अधिक मनुष्यों की सहानुभूति पर निर्भर रहते हैं। हमें इस कमज़ोरी पर विजय पाना है। हमें अपने आप को परमेश्वर के वचन पर मनन करने और उससे और उसके वचन से बल प्राप्त करने हेतु अनुशासित करना आवश्यक है।

प्रश्न जिनके उत्तर नहीं हैं

प्रायः ऐसे समय में, बहुत से प्रश्न उठते हैं और उनका उत्तर नहीं मिलता है। क्यों कोई जवानी में मर गया? उन्हें क्यों बीमारी, दुर्घटना अथवा किसी विपत्ति से मरना पड़ा? उन्हें परमेश्वर की शक्ति के द्वारा क्यों चंगाई, सुरक्षा और छुटकारा नहीं मिला? क्यों? क्यों? क्यों? सामर्थ ऐसे प्रश्नों की लम्बी सूची बन सकती है जिसका कोई अन्त नहीं होता। जैसे-जैसे हम परमेश्वर

के साथ चलते हुए परिपक्व होते हैं, हमें यह सत्य सीखना और स्वीकार करना होगा कि स्वर्ग के इस पार बहुत से प्रश्न बिना उत्तर हैं। जी हाँ, हम प्रश्नों का उत्तर देने का सदैव प्रयास कर सकते हैं जैसे "प्रकाशन के ज्ञान का अभाव," "विश्वास की कमी" आदि। परन्तु ये सब उत्तर देने का हमारा प्रयास मात्र है परन्तु हम निश्चित नहीं हैं। प्रत्येक परिस्थिति अपनी भिन्नता के साथ अपने आप में अलग है, और हम इतना ही जानते हैं। क्योंकि अभी हमारा ज्ञान अधूरा है, परन्तु तब-*जब सर्वसिद्ध आयेगा*-तब हम ऐसे पहचान लेंगे जैसे हम पहचाने गए हैं (1 कुरिन्थियों 13:10,12)। *"गुप्त बातें हमारे परमेश्वर यहोवा के वश में हैं" परन्तु जो प्रकट की गई हैं वे सदा के लिये हमारे और हमारे वंश के वश में रहेंगी, इसलिये कि इस व्यवस्था की सब बातें पूरी की जाएँ"* (व्यवस्थाविवरण 29:29)। यह स्वीकार करना बुद्धिमानी है कि हमें ऐसे प्रश्नों के सही उत्तर कभी नहीं मिलेंगे। फिर भी हम उन बातों के द्वारा जीवित रह सकते हैं जिन्हें हम जानते हैं।

अब जबकि हम पृथ्वी पर ही हैं

2 कुरिन्थियों 5:9,10

[9] इस कारण हमारे मन की उमंग यह है कि चाहे साथ रहें अलग रहें, पर हम उसे भाते रहें।

[10] क्योंकि अवश्य है कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने-अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों पाए।

इब्रानियों 12:1

इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु और उलझाने वाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें।

वे लोग जो मर गए हैं और हमसे पहले चले गए हैं उन्होंने अपने जीवन की गवाही हमारे लिए छोड़ी है। उन्होंने परमेश्वर के राज्य के लिए वह सब कुछ किया है जो वे कर सकते थे। शायद वे आज भी स्वर्ग के गलियारों से हमें देख रहे हैं जो अभी भी अपने जीवन की दौड़ दौड़ रहे हैं। अतः हमें अपना यह लक्ष्य बनाना चाहिए कि हम अपनी दौड़ जो परमेश्वर ने हमारे

सामने रखी है धैर्य से दौड़ें। हम सब कामों में उसे प्रसन्न करने का प्रयास करें। हम सदैव अपने दुख और पीड़ा में नहीं रह सकते हैं। हमें उस स्थान से ऊपर उठकर, जहाँ हमने अपने प्रिय जन को विदाई दी है, परमेश्वर की बुलाहट में आगे बढ़ते जाना है। एक दिन, हम उन सब के साथ जो हमसे पहले मसीह में चले गए हैं, प्रभु के सामने खड़े होंगे। इस पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य के लिए किए गए कामों के अनुसार उससे इनाम पाएंगे। काश वे सब जो हमसे पहले वहाँ गए हैं हमें विश्वासयोग्य पाएं!

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रकट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकृत हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"*** **(रोमियों 6:23)।** यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति

का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह मुफ्त क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी" **(प्रेरितों के काम 10:43)।**

"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा" **(रोमियों 10:9)।**

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धि पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए। आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च (एपीसी) का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

आल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केन्द्रित, आत्मा से भरपूर** परिवारिक कलीसिया, एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधार, संसार में सुसमाचार करने वाली कलीसिया है

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में, हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में, हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में, हम ईश्वरीय अगुवों और आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझौता के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारी वेबसाईट का अनुसरण करें: **apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें: **contact@apcwo.org**

निःशुल्क प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses–Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Speaking in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। पी. डी. एफ., आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में निःशुल्क ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, निःशुल्क ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस काउंसलिंग

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस काउंसलिंग व्यावसायिक तौर प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु समूहों के लिए हैं और जीवन की चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती हैं।

किशोरों
व्यक्तिगत समायोजन
संबंधपरक चुनौतियां
शिक्षा में कम सफलता पाने वाले
कार्य संबंधित मुद्दे
परिवार / दम्पत्तिः विवाह पूर्व, वैवाहिक
माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी
व्यवहार सम्बंधी विकार
व्यक्तित्व विकार
मनोवैज्ञानिक / भावनात्मक समस्याएं
तनाव / आघात
शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल
आत्मिक समस्याएं
ज़िंदगी की सीख

क्रिसलिस काउंसलिंग सेवाओं के लिए शुल्क सस्ती और सुलभ है।

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिएः

Website: chrysalislife.org
Phone: +91-80-25452617 or toll-free (within India) 1-800-300-00998
Email: counselor@chrysalislife.org

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (आ) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (इ) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, 'मसीही अगुवों के लिए सभाओं' का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में निःशुल्क वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस का कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

Account Name: All Peoples Church
Account Number: 50200068829058
IFSC Code: HDFC0004367
Bank: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru, 560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें:* **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for
"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

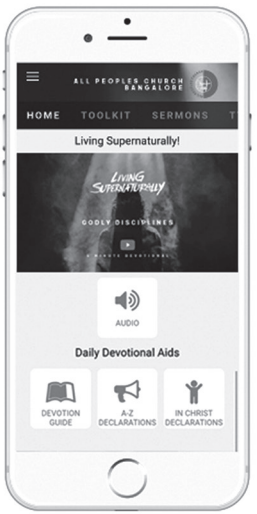

A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र (एपीसी-बीसी) भारत के बैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई के लिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज (एपीसी-बीसी) में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं:

- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (सी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय डिप्लोमा (डी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय स्नातक (बी.टी.एच.)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक** (UTC+5:30) कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैंपस:** कैंपस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लें
- **ऑनलाइन:** ऑनलाइन लाइव व्याख्यान में भाग लें
- **ई-लर्निंग:** ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं कि गति से सीखने के लिए **apcbiblecollege.org/elearn**

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया इस वेबसाइट को भेंट दें: **apcbiblecollege.org**

हममें से प्रत्येक कभी न कभी मृत्यु का सामना करता अथवा अपने प्रियजन की मृत्यु को देखता है। मैंने उस बात पर विश्वास करने का चुनाव किया जिसे बाइबल मृत्यु और स्वर्ग के बारे में सिखाती है। इन वचनों से मुझे बहुत सामर्थ, आराम, शान्ति, उत्साह और आशा मिली। इनमें से कुछ मैं इस पुस्तिका में आपके साथ बाँट रहा हूँ। परमेश्वर का वचन जो हमारे लिए शान्ति लाया, वह आपकी आवश्यकता के समय आपके लिए भी ऐसा ही करे।

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org